बिजनेस

www.naidunia.com

बाजार एक नजर में

सेंसेक्स	▼ 34331.68	-63.38	सोना	▲ 32250	+50
निफ्टी	▼ 10526.20	-22.50	चांदी	▲ 40100	+100

डॉलर 65.67 +0.02
पौंड 93.33 -0.78

चीन की कंपनी ने लगाई फोर्टिस के लिए बोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। फोर्टिस हेल्थकेयर को खरीदने की दौड़ में अब चीन की कंपनी फोसुन इंटरनेशनल भी उतर आई है। कंपनी ने अपनी शाखा फोसुन हेल्थ होल्डिंग्स के जरिए फोर्टिस के लिए बोली लगाई है।

फोर्टिस ने मंगलवार देर रात बंबई स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उसे फोसुन की तरफ से एक गैर-बाध्यकारी अभिरुचि मिली है। इसके तहत वह 156 रुपए प्रति शेयर के प्राथमिक निवेश पर फोर्टिस की खरीद के लिए तैयार है। इस भाव पर कंपनी 2,295 करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश करेगी।

फोसुन ने कहा है कि उसकी पेशकश तीन हफ्तों के अंदर फोर्टिस की ड्यू डिलिजेंस प्रक्रिया पूरी होने पर निर्भर करती है। इसके साथ ही वह कुल प्रस्तावित निवेश में से 100 करोड़ रुपए का प्राथमिक निवेश करेगी, जबकि बाकी निवेश कुछ शर्तों के साथ होगा।

फोसुन ने फोर्टिस के निदेशक मंडल को लिखे पत्र में शुरुआती निवेश के लिए भी यह शर्त रखी है कि उसे ड्यू डिलिजेंस की प्रक्रिया पूरी करने और प्रस्ताव पर मोल-भाव करने के लिए 1 माह का वक्त दिया जाए। उसे हिस्सेदारी के एवज में बोर्ड में पर्याप्त जगह मिलनी चाहिए। फोर्टिस को खरीदने के लिए मलेशिया की आईएचएच हेल्थकेयर और मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज भी कतार में हैं।

तीन माह के भीतर पीएफ खातों में ईटीएफ निवेश क्रेडिट करने की योजना

शेयरों में पीएफ की रकम का निवेश खुद घटा-बढ़ा सकेंगे अंशधारक

नई दिल्ली। एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के 5 करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबरों को मौजूदा वित्त वर्ष एक नया विकल्प मिलने वाला है। उन्हें ईटीएफ के जरिए शेयरों में पीएफ की रकम का निवेश कम या ज्यादा करने की सुविधा मिलेगी।

ईपीएफओ अगले 3 महीनों के भीतर सब्सक्राइबर्स के पीएफ खातों में ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) निवेश क्रेडिट करने की सुविधा देने की योजना बना रहा है। उसके बाद ग्राहकों को अपने फंड से ईटीएफ में निवेश बढ़ाने या फिर कम करने का एक विकल्प मिल सकता है।

निवेश बढ़ाने या घटाने के लिए सदस्यों को एक विकल्प देने के अगले चरण में प्रवेश कर सकते हैं।'

बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की हरी झंडी

ईपीएफओ के सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने पिछले हफ्ते तय किया था कि सब्सक्राइबरों (अंशधारकों) की ओर से इक्विटी (जैसे शेयर) में निवेश की सीमा (फिलहाल 15 फीसदी) से परे बढ़ाने या घटाने का विकल्प देने की संभावनाएं खंगाली जाएंगी। मौजूदा व्यवस्था के तहत ईपीएफओ ईटीएफ में निवेश योग्य जमा का 15 फीसदी हिस्सा ही लगा सकता है।

ईटीएफ में पीएफ का निवेश

- अगस्त, 2015 में ईपीएफओ ने की थी ईटीएफ में निवेश की शुरुआत
- वर्ष 2015-16 में निवेश योग्य कुल जमा पूंजी का 5 फीसदी निवेश किया
- 2016-17 में यह निवेश बढ़ाकर 10 फीसदी कर दिया गया
- 2017-18 में निवेश की यह सीमा 15 फीसदी कर दी गई।

अब तक की स्थिति

- ईपीएफओ ने ईटीएफ में कुल 41,967.51 करोड़ रुपए का निवेश किया
- 28 फरवरी, 2018 तक इस निवेश से 17.23 फीसदी रिटर्न मिला
- इस साल मार्च में संगठन ने 2,500 करोड़ के ईटीएफ बेचे।

संसदीय समिति का सीधा सवाल, एयर इंडिया को नुकसान का जिम्मेदार कौन?

नई दिल्ली। एजेंसी

संसदीय समिति के कुछ सदस्यों ने बुधवार को एयर इंडिया के विनिवेश पर सवाल उठाया और पूछा कि यदि इस सरकारी विमानन कंपनी को नुकसान होता है तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होना चाहिए। यह जानकारी सूत्रों के जरिए सामने आई है।

सरकार एयर इंडिया में 76 फीसदी हिस्सेदारी बेचना चाहती है। लोक लेखा समिति (पीएसी) की बैठक में कुछ सदस्यों ने कंपनी में हिस्सेदारी बेचने

के सरकार के फैसले को लेकर सवाल उठाए। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एयर इंडिया और नागर विमानन मंत्रालय के अधिकारियों से पूछा कि एयर इंडिया को होने वाले भारी घाटे के लिए कौन जवाबदेह होगा? उन्होंने कहा कि जो लोग विनिवेश का विरोध कर रहे थे अब वो इस निर्णय का कारण जानना चाहते हैं, वो भी ऐसे समय में जब कंपनी मुनाफा कमाने की राह पर लौट आई है।

जेट एयरवेज और इंडिगो एयर इंडिया के लिए बोली लगाने से किनारा कर चुकी हैं। हालांकि महाराजा का दर्जा प्राप्त एयर इंडिया के लिए अभी सारे दरवाजे बंद नहीं हुए हैं। कुछ बड़ी विदेशी विमानन कंपनियों ने एयर इंडिया को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। ब्रिटिश एयरवेज, लुफ्थांसा और सिंगापुर एयरलाइंस इनमें शामिल हैं।

अक्षय तृतीया पर बढ़ा सोने का भाव, चांदी में भी उछाल

रायपुर। अक्षय तृतीया के दिन रायपुर के सराफा बाजार में सोने का भाव बढ़ गया

और चांदी ने भी उछाल मारी। इस दिन सोने की खरीदी को शुभ माना जाता है, शादी सीजन की भी खरीदारी बढ़ गई है इसलिए तेजी आई। हालांकि सुस्त वैश्विक संकेतों के चलते अधिक तेजी नहीं आई। सोना 50 रुपये बढ़कर 32250 रुपये प्रति 10 ग्राम (स्टैंडर्ड) रहा। औद्योगिक क्षेत्रों में चांदी की डिमांड में तेजी आई है तथा शादी सीजन में चांदी के गिफ्ट की खरीदारी बढ़ी इस वजह से चांदी में भी उछाल आई। चांदी 100 रुपये की तेजी के साथ 40100 रुपए प्रति किलो रही। व्यापारियों का मानना है कि अक्षय तृतीया पर ग्राहकों की ओर टोकन खरीदी के अलावा डॉलर मुकाबले कमजोर होते रुपये ने सोने की कीमतों को समर्थन दिया है। रुपया डॉलर के मुकाबले सात महीने के निम्नतम स्तर पर आ गया है।

इलेक्ट्रोस्टील दिवाला प्रक्रिया के तहत बिकने वाली पहली कंपनी

नई दिल्ली। एजेंसी

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनक्लैट) ने वेंदाता ग्रुप को इलेक्ट्रोस्टील के अधिग्रहण की इजाजत दे दी। इस फैसले के साथ ही वेदांता, किसी दीवालिया हो चुकी कंपनी को दिवाला संहिता कानून के तहत अधिग्रहण करने वाली पहली कंपनी बन गई।

दो साल पहले सरकार ने संसद में दिवाला संहिता (इंसॉल्वेंसी एंड बैंक्रप्शी कोड) पास किया गया था, जिसके तहत भारतीय रिजर्व बैंक को कई सारे अधिकार दिए गए थे, ताकि जल्द से जल्द बैंकों के एनपीए (ऐसे लोन, जिनकी वसूली न हो पा रही हो) रिकवर किए जा सकें।

इलेक्ट्रोस्टील का मामला: इस कंपनी पर बकाया कर्ज 13,175.15 करोड़ रुपए था, जिसका मामला नेशनल एनक्लैट में लंबित था। इलेक्ट्रोस्टील का अधिग्रहण करने के लिए दिवाला संहिता के नियमावली के तहत वेंदाता ने बोली लगाई। अंत में वेदांता इलेक्ट्रोस्टील को 5,320 करोड़ रुपए

देकर उसका अधिग्रहण करेगी। इसमें से 1,805 करोड़ रुपए इक्विटी में बाकी 3,515 करोड़ रुपए बकाया कर्ज के रूप में दिए जाएंगे।

फिलहाल लंबित मामले

रिजर्व बैंक ने पिछले साल जून में 12 बड़े कॉरपोरेट डीफॉल्टरों की लिस्ट निकाली थी। ये 12 कंपनियां देश का 25 फीसदी एनपीए कवर करती हैं। इन सभी कंपनियों को दिवाला और संहिता यानी आईबीसी के तहत डाला गया है। इनके फैसले के लिए 270 दिन की डेडलाइन दी गई है। इनमें से कुछ कंपनियों का एनपीए 45 हजार करोड़ तक है। आरबीआई ने दिसंबर, 2017 में भी 28 कंपनियों की नई लिस्ट जारी की थी।

मुनाफावसूली ने तोड़ा बाजार में तेजी का सिलसिला

मुंबई। एजेंसी

सेंसेक्स 63 अंक और निफ्टी 23 अंक गिरकर बंद

पिछले नौ सत्रों में सेंसेक्स में आया था 1376 अंक का उछाल

लगातार नौ सत्र में बढ़त लेने के बाद बुधवार को दलाल स्ट्रीट में गिरावट आई। विदेशी निवेशकों की ओर निकासी के बीच घरेलू निवेशकों ने भी मुनाफावसूली का रास्ता पकड़ा। बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का सेंसेक्स 63.38 अंक गिरकर 34331.68 पर बंद हुआ। पिछले नौ सत्रों में इसमें 1375.99 अंक की बढ़त दर्ज की गई थी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 22.50 अंक की हल्की गिरावट के साथ

10526.20 पर बंद हुआ।

विशेषज्ञों ने बताया कि वृहद स्तर पर सकारात्मक संकेतों के बावजूद निवेशकों ने ऊंचे पर चल रहे बाजार में मुनाफावसूली की। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'एनपीए पर रिजर्व बैंक की सख्ती के चलते बैंकिंग शेयरों में नरमी दिखी है। हालांकि बेहतर तिमाही नतीजों की उम्मीद और मानसून सामान्य रहने के मौसम विभाग के अनुमान से बाजार का रुख तेजी की ओर बना हुआ है।' सेक्टर के हिसाब से कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में सबसे ज्यादा 1.18 फीसद की गिरावट आई। बैंकिंग शेयरों में 0.85 फीसद, तेल एवं गैस 0.65 फीसद, पीएसयू में 0.57 फीसद, हेल्थकेयर में 0.47 फीसद और ऑटो में 0.47 फीसद की गिरावट आई। 2.82 फीसद की तेजी के साथ आइटीसी सेंसेक्स की टॉप गेनर रही। 2.60 फीसद की गिरावट के साथ एक्सिस बैंक टॉप लूजर रहा। इस दिन सेंसेक्स की 30 में से 19 के शेयरों में गिरावट आई।

हेल्थ इंश्योरेंस में 30 फीसदी तक वापस होगी प्रीमियम

मुंबई (एजेंसी)। आदित्य बिरला हेल्थ इंश्योरेंस ने नया हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट एक्टिव एश्योर पेश किया है। इसमें उपभोक्ताओं को स्वास्थ्य गतिविधियों को नियमित रूप से ट्रैक करने की सुविधा मिलती है और प्रीमियम के 30 फीसदी तक की रकम हेल्थरिटर्न्स के रूप में वापस मिलती है। हेल्थरिटर्न्स नकद-समकक्ष के रूप में दिए जाते हैं, जिसका इस्तेमाल स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों, मसलन दवाइयां खरीदने व स्वास्थ्य की जांच, डे-केयर, ओपीडी खर्च और अन्य तरह के उपचार में किया जा सकता है।

मार्केट न्यूज

'डबल बुल' के साथ सीमेंट कारोबार में उतरी इमामी

नई दिल्ली। ईमामी ग्रुप ने हाल ही में सीमेंट कारोबार शुरू किया है। यह कारोबारी समूह एफएमसीजी, खाद्य तेल, पेपर, रियल एस्टेट और हेल्थ केयर सेक्टर में पहले बिजनेस कर रहा है। अब इसने सीमेंट सेक्टर में धमाकेदार एंट्री मारी है। इमामी सीमेंट 'इमामी डबल बुल सीमेंट' ब्रांड नाम से बाजार में उपलब्ध है। ब्रांड के नाम से ही स्पष्ट है कि कंपनी दर्शाना चाहती है कि इसकी मजबूती उम्मीद से बेहतरी होगी। इस सीमेंट का फोकस लेटेस्ट इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी पर है। इसका अत्याधुनिक कारखाना रिस्डा (पश्चिम बंगाल) में है। इमामी डबल बुल ब्रांड का 70 फीसदी सीमेंट पोर्टलैंड पॉजोलोना सीमेंट और पोर्टलैंड स्लैग सीमेंट का मिश्रण होता है। इस वजह से कार्बन फूटप्रिंट में कमी आती है।

इमामी डबल बुल सीमेंट सभी तरह के क्वालिटी वेरिएंट, मसलन ओपीसी 43, ओपीसी 53, पीपीसी और पीएससी में उपलब्ध है। इसका प्रीमियम पीएससी ब्रांड यूनिक नेम 'शुभ' के तहत बाजार में उपलब्ध है। कंपनी इसके जरिए प्रीमियम सीमेंट बाजार में अपनी बड़ी हिस्सेदारी पक्की करना चाहती है।

टैक्स बचाने सलाहकारों के फेर में गलत आईटीआर न भरें वेतनभोगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर विभाग ने वेतनभोगी आयकर दाताओं को जान-बूझकर गलत आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरने के खिलाफ आगाह किया है। विभाग ने करदाताओं से कहा है कि वे कर बचाने के गैरकानूनी तरीकों का इस्तेमाल नहीं करें और आयकर सलाहकारों द्वारा सुझाए ऐसे तरीकों के फेर में न उलझें।

विभाग ने कहा है कि कर बचाने के फेर में आय कम दिखाने वाले या निवेश बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने वाले ऐसे कर्मचारियों की सूचना उनके नियोक्ताओं को दी जाएगी, और उनके खिलाफ

कार्रवाई के लिए कहा जाएगा। विभाग के बेंगलुरु स्थित सेंट्रल प्रोसेसिंग सेंटर (सीपीसी) ने एक चेतावनी जारी की है। इसमें वेतनभोगी करदाताओं से ऐसे कर सलाहकारों और प्लानर्स से दूर रहने की हिदायत दी गई है, जो उन्हें कर चोरी के तरीके बताते हैं। विभाग ने कहा है कि अगर सरकारी कर्मचारी इस तरह की गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ सतर्कता विभाग कार्रवाई करेगा। गौरतलब है कि सीपीसी ही कर व्यक्तिगत आयकर दाताओं के कर प्रपत्रों की जांच करता है।

विभाग का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान आईटीआर जांच के वक्त ऐसे कई उदाहरण आए हैं, जिनमें कर चोरी के तरीके स्पष्ट झलकते हैं। इनमें ज्यादातर मामले आय कम बताने, या आयकर बचाने के लिए निवेश की रकम बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने से संबंधित हैं। विभाग ने कहा कि इस तरह की गलतबयानी आयकर कानून की कई धाराओं के तहत दंडनीय अपराध हैं।

फिसड्डी है भारत में बैंक कर्ज वसूली तंत्र

नई दिल्ली (ब्यूरो)। यह तो सभी जानते हैं कि देश की बैंकिंग व्यवस्था फंसे कर्ज यानी नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) के जाल में बुरी तरह से फंसी हुई है। दिसंबर, 2017 तक देश के बैंकों का तकरीबन 10.41 लाख करोड़ रुपये का कर्ज एनपीए हो चुका था। यह स्थिति इसलिए बनी है कि भारत में बकाए कर्ज की वसूली का तंत्र बेहद लचर है। इसे ऐसे कहा जा सकता है कि भारत का एनपीए वसूली तंत्र पूरी दुनिया में सबसे फिसड्डी है। आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर एन. एस. विश्वनाथन ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट में अपने संबोधन में इस संबंध में आंकड़े दिए।

उनके मुताबिक भारत में दिवालिया

आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर एन. एस. विश्वनाथन ने बताई स्थिति

सबसे ज्यादा लगता है वक्त और सबसे कम होती है वसूली

प्रक्रिया के तहत वसूली की जो व्यवस्था है, वह बकाया राशि की महज 26.4 फीसद राशि ही वसूलने में सक्षम होती है। इसमें भी 4.3 वर्ष का समय लग जाता है। दूसरे देशों में देखें तो नार्वे में 93.4 फीसद तो जापान में 92.4 फीसद राशि क्रमशः नौ और छह महीने में वसूल ली जाती है। रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका की स्थिति भी भारत से बहुत बेहतर है। रूस के दिवालिया कानून से 40.7 फीसद राशि वसूलने में दो वर्ष लगते हैं। चीन में दिवालिया से जुड़े मुद्दों को सुलझाने व बैंकों को बकाए कर्ज की वसूली में 1.7 वर्ष का समय लगता है। वहां भी 37 फीसद तक राशि वसूलने में सफलता मिलती है। ऐसे में आरबीआइ और सरकार की तरफ से उठाए गए ताजा कदमों पर सभी की नजर है कि उससे एनपीए को वसूलने की प्रक्रिया तेज हो पाती है या नहीं। देश में नया दिवालिया कानून लागू किया गया है और हाल ही में फंसे कर्जे को लेकर आरबीआइ की तरफ से नए नियम बनाए गए हैं।

विश्वनाथन ने इन नए नियमों का भी जिक्र किया जिनमें बैंकों को 180 दिन के भीतर एनपीए मामलों का निपटारा करने को कहा गया है। ऐसा नहीं करने पर बैंकों को 50 करोड़ रुपये से ज्यादा के सभी मामलों का निपटारा नए दिवालिया कानून के तहत करने को कहा गया है। इस नए नियम को लेकर उद्योग जगत के भीतर काफी बेचैनी है। उद्योग जगत की तरफ से सरकार से आग्रह किया गया है कि आरबीआइ के नए नियम के तहत एक दिन भी कर्ज लौटाने में देरी होने पर कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का प्रावधान है। अगर इसे सख्ती से लागू किया गया तो अर्थव्यवस्था का चक्का जाम हो जाएगा। माना जा रहा है कि इस नियम में बदलाव के लिए सरकार व आरबीआइ के बीच विमर्श चल रहा है।

तात्कालिक लाभ के लिए हाथ तो नहीं जला रहे राहुल

नकदी की कमी को घपलेबाजों से जोड़ने पर उठा सवाल

आशुतोष झा
नई दिल्ली। ब्यूरो

कैशलेस एटीएम की खबर मंगलवार को आग की तरह फैली। खुद सरकार ने भी माना कि कुछ वजहों से नोटों के प्रचलन में आकस्मिक कमी हुई है। लेकिन, यह स्थायी नहीं है। जाहिर है कि चुनावी मौसम में सरकार का यह मानना कि कमी हुई है, राजनीतिक दलों के लिए मौका था। इसमें कुछ गलत भी नहीं कि राजनीतिक दल उस आग में हाथ सेंकते। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने बड़ी खूबी से ऐसा किया भी। लेकिन, अति उत्साह में वे खुद का हाथ जलाने की स्थिति तक पहुंच गए। नोटों की कमी को नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे घपलेबाजों से जोड़कर उन्होंने तात्कालिक ट्विटर लाइक तो बटोर ली, लेकिन यह भूल गए कि दो दिन बाद जब नकदी का संकट खत्म होगा तो वह क्या जवाब देंगे? वह शायद यह भी भूल गए

नीरव और माल्या जैसे घपलेबाजों से जोड़ना हास्यास्पद

कि दशकों बाद भी जनता हरियाणा के उस नेता का बयान याद कर ठहाके लगाती है, जिन्होंने कहा था कि राज्य में आने वाले पानी से पहले ही दूध से मलाई की तरह बिजली निकाल ली जाती है, तो प्रदेश के किसानों को कैसे फायदा होगा।

पहले एक नजर राहुल गांधी के ट्वीट पर डालिए। छंद में उन्होंने लिखा, 'समझो अब नोटबंदी का फरेब, आपका पैसा नीरव मोदी की जेब...।' अब कांग्रेस के ही दूसरे वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के ट्वीट पर नजर डालिए। उन्होंने लिखा, 'मुझे संदेह है कि लोग पैसा तो निकाल रहे हैं, लेकिन बैंकों में अविश्वास के कारण अतिरिक्त पैसा जमा नहीं कर रहे हैं।' उन्होंने कई ट्वीट किए और आरबीआई व सरकार को घेरा तथा जीडीपी विकास दर के साथ नोट के

प्रचलन बढ़ने की बात कही।

बुधवार को बैंकिंग सचिव राजीव कुमार ने विश्वास दिलाया कि गुरुवार तक ही 80 फीसदी एटीएम में पैसे उपलब्ध हो जाएंगे। यानी राहुल गांधी के ट्वीट के महज 48 घंटे के बाद नकदी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होंगे। तब राहुल क्या जवाब देंगे? फिर वह क्या मोदी सरकार को श्रेय देंगे कि उन्होंने नीरव मोदी और माल्या जैसे घपलेबाजों से पैसा वसूल कर लिया? वैसे भी राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस युवाओं को आकर्षित करने की कोशिश में जुटी है। उनके सामने यह कहना कि कोई माल्या या नीरव मोदी जैसा घपलेबाज नकदी लेकर भागता है हास्यास्पद है। ध्यान रहे कि आज भी जनता केरल के एक बड़े नेता के उस बयान पर हंसती है, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार के वित्तीय प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए कहा था कि वह ट्रेजरी गए थे तो वहां चूहों को घूमते देखा, पैसे थे ही नहीं। वह यह संदेश देना चाह रहे थे कि चूहे पैसे कुतर गए। यह हर किसी की जानकारी में है कि ट्रेजरी में पैसे किसी बोरे में नहीं रखे होते हैं। प्रचलन में आए नोटों की कमी को भी इसी तरह फरार हुए घपलेबाजों से नहीं जोड़ा जा सकता है। यह सच है कि पिछले कुछ महीनों में राहुल सोशल मीडिया पर ज्यादा तीखे और चुटीले हो रहे हैं। लेकिन, गंभीर मसलों में तात्कालिक लाभ लेने की प्रवृत्ति खुद को न चोट पहुंचा जाए। खासतौर पर तब जबकि विपक्ष में ही कई क्षेत्रीय दल और नेता नेतृत्व की मंशा रखते हैं, राहुल की चूक कांग्रेस को भारी भी पड़ सकती है।

आवक भरपूर नहीं बढ़ेंगे शक्कर के दाम

रायपुर। उत्पादन काफी अच्छी होने के कारण शक्कर की सप्लाई काफी अधिक है। इसकी तुलना में डिमांड एकदम सुस्त है। व्यापारिक सूत्रों का कहना है कि इसके चलते शक्कर की कीमतों में फिलहाल तेजी के संकेत नहीं हैं। शक्कर पिछले पांच माह में 1000 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई है। थोक में 3020 रुपये प्रति क्विंटल व चिल्लर में 35 रुपये किलो बिक रही है। शक्कर की कीमतों में आ रही गिरावट को देखते हुए इन दिनों

कारोबारी भी थोड़े सहमे हुए हैं। डिमांड देखकर ही माल मंगा रहे गैं, क्योंकि आए दिन कीमत गिर रही है। बाजार के रुख को देखते हुए जल्द से जल्द स्टाक निकालने की कोशिश की जा रही है।

खाद्य तेल महंगे : वैश्विक तेजी तथा मांग बढ़ने से खाद्य तेलों के दाम में तेजी आने लगी है। महीनेभर में खाद्य तेल 70 रुपए प्रति डिब्बे तक महंगे हो गए हैं। विशेषकर सोया व पाम तेलों के दाम बढ़े हैं। कारोबारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में इनकी कीमतों में और तेजी आ सकती है।

उम्मीद — रिजर्व बैंक रेपो रेट 0.25% घटा सकता है, जिसके बाद बैंक भी ब्याज दरें घटाएंगे

कर्ज सस्ता होने की वजह बनेगी अच्छी बारिश!

नई दिल्ली। एजेंसी

इस साल यदि अनुमान के मुताबिक अच्छी बारिश हुई तो यह बैंकों से मिलने वाला कर्ज सस्ता होने की वजह भी बन सकती है। सामान्य बारिश होने की स्थिति में रिजर्व बैंक नीतिगत दरें घटा सकता है।

एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि सामान्य मानसूनी बारिश के अनुमान को देखते हुए रिजर्व बैंक अगस्त में मौद्रिक नीति समीक्षा के तहत रेपो रेट में 25 आधार अंक यानी 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। इसका सीधा असर बैंकों से मिलने वाले लोन की ब्याज दरों पर नजर आएगा।

बैंक ऑफ अमेरिका-मेरिल लिंच की रिपोर्ट के मुताबिक रबी सीजन की कमजोर फसल के बाद सामान्य मानसून

से ग्रामीण इलाकों में मांग बढ़ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद अगस्त में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में नीतिगत ब्याज दरें 25 आधार अंक घटाए जाने के अनुमान पर हमारा भरोसा बढ़ गया है।' मौसम विभाग के मुताबिक इस साल देश में मानसून की बारिश सामान्य रहने वाली है। लंबी अवधि के औसत का 97 प्रतिशत बारिश होने का अंदाजा लगाया गया है। इतनी बारिश सामान्य मानी जाती है।

जीडीपी कृषि क्षेत्र पर निर्भर

जून से सितंबर तक पूरे साल की करीब 75 प्रतिशत बारिश हो जाती है। खरीफ की फसलें इसी बारिश पर निर्भर करती हैं। यह बारिश कई अन्य फसलों का भविष्य भी तय करती है क्योंकि इसी पर जलाशयों का जल स्तर निर्भर करता है। भारत में सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) अब भी मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र पर निर्भर करता है। इस साल कई हिस्सों में कृषि उत्पादन कम हुआ है। अच्छी बारिश से इसकी भरपाई होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपेक्षाकृत कमजोर रबी सत्र के बाद सामान्य मानसून से 2018 के दौरान खरीफ फसलों को पर्याप्त पानी मिलने से कृषि क्षेत्र को राहत मिलनी चाहिए।

भारत में कंपनियों के लिए बराबरी का हक तलाश रहा अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) अपनी घरेलू कंपनियों के लिए भारत में बराबरी का बाजार चाहता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में दक्षिण और केंद्रीय एशिया मामलों की प्रधान उप सहायक मंत्री एलिस वेल्स ने कहा है कि सरकार अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में पहुंच संबंधी भेदभाव और अन्य द्विपक्षीय कारोबारी बाधाओं के समाधान के लिए भारत के साथ मिलकर काम कर रही है।

वेल्स ने कहा, 'अमेरिका विमानन, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र के सौदों के जरिये भारत-अमेरिका कारोबारी संबंधों की क्षमताओं की पहचान करना चाहता है। हालांकि पिछले एक दशक के दौरान भारत के साथ हमारा द्विपक्षीय कारोबार दोगुना से ज्यादा बढ़ चुका है।

बाजार भाव

दाल-दलहन (रु./प्रति क्विंटल)

चना देशी पीला	3800-4600
चना दाल	4800-5600
राहर दाल	5400-7000
काबुली चना	9000-11000
मसूर दाल	4400-5200
उड़द (छिलका)	4600-5600
उड़द (धुली)	4600-6600
मूंग दाल (धुली)	6400-7400
मूंग दाल (छिलका)	6000-6800
बटरी दाल	3400-3800

चावल (रुपए/प्रति क्विंटल)

सरना	2400-2500
एचएमटी	3600-4400
जवा फूल	5700-7000
एचएमटी खंडा	2300-2700
सरना खंडा	1900-2000
स्टीम चावल	3000-3200
बीपीटी चावल	2800-3400
काली मूंछ	4200-4600
जयश्री राम	4400-4800
गेंहू	2300-3400

खाद्य तेल (थोक भाव)

राजमोती रिफाइन	1575
फल्ली तेल रिफाइन	1575
पामोलीन	1250
सोयाबीन रिफाइंड	1325
रिफाइंड गोल्ड लाइन	1290
राइस ब्रान	1180-1300
सरसों तेल	1290-1550
आटा कट्टा	1025
मैदा	1010 (50 किलो)
सूजी कट्टा	1175
बेसन	2750 (50 किलो)
शक्कर	3160-3300

सराफा मार्केट

24 कैरेट सिक्का	32400
स्टैंडर्ड प्रति दस ग्राम	32250 (999), (995) 32090
23 कैरेट	31280
91.6 हालमार्क	30300
18 कैरेट	24750
गिन्नी	24400
चांदी पक्की	40100
चांदी कच्ची	40000

अंडा / मुर्गी (रुपए/थोक एमआरपी) एनईसीसी/सीएसपीएफए

अंडा थोक	328
चिल्लर-400	दर्जन में-48
मुर्गी थोक-50	चिल्लर-75
काकरेल-95	130

सरिया (प्रति टन)

8 एम एम	50000
10 एम एम	49000
12 एम एम	48500
16 एम एम	48500